



11/5/92

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 11]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 15, 1992/पौष 25, 1913

No. 11] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 15, 1992/PAUSA 25, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 266—आईटीसी (पीएन)/90-93

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1992

फा. सं. 1/3/आर ई पी / 85-ई पी सी-(पार्ट) :—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 1—आई टी सी (पी एन) / 90-93 दिनांक 30 मार्च, 1990 के अन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल, 1990—मार्च 1993 के लिए यथासंशोधित आयात-निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. नीति में उपर्युक्त स्थानों पर नीचे दिये गये अनुसार निम्नलिखित संशोधन किये जाएंगे :—

क्रम सं.	आयात-निर्यात	सन्दर्भ	संशोधन
	नीति, 1990-93		
	(खण्ड-1) की		
	पृष्ठ सं.		

1	2	3	4
1.	72	अध्याय—19 शुल्क मुक्त योजना पैरा 229 (2)	इस उप पैरा के प्रथम वाक्य में "उप पैरा (3) के नीचे" शब्दों और अंकों के स्थान पर "आयात नीति का पैरा 270—क" शब्द और अंक प्रतिस्थापित किये जाएंगे।

1	2	3	4
2.	72	अध्याय—19 शुल्क मुक्त योजना पैरा 229 (3)	इस पैरा को हटा दिया जाएगा।
3.	79	अध्याय—19 शुल्क मुक्त योजना पैरा 270	<p>इस पैरा के बाद निम्नलिखित का जोड़ा जाएगा:—</p> <p>“हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस</p> <p>270—क (1) विशिष्ट उत्पादों के निर्यात पर पूंजी निवेश का शुल्क मुक्त आयात देने की व्यवस्था के लिए हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस सीमानुल्लेख अधिसूचना के अनुसार दिये जाएंगे।</p> <p>(2) हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस निर्यातों पर आधार पर और वास्तविक निर्यात के मदों निर्यात आय की बसूली के बाद जारी किए जाएंगे हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस वास्तविक उपयोक्तता शर्त के अंगे होंगे और ये मुक्त रूप में हस्तांतरणीय होंगे। यह लाइसेंस जब जारी किए जाएंगे उन पर “आयात नीति 1990-93 के पैरिफ 270-क की शर्तों के अनुसार जारी हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस” शब्द लिखे होंगे।”</p> <p>(3) हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस की सुविधा केवल आयात नीति के परिशिष्ट 13-ग में सूचीबद्ध इंजीनियरी, चर्म और वस्त्र उत्पादों के लिए ही उपलब्ध है। निवेश/उत्पादन अनुपात के साथ आयात की मदें जिनके आधार पर हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध है, वे मदें हैं जो केवल परिशिष्ट 13-ग में उल्लिखित उपर्युक्त वर्गीकृत उत्पादों के सामने निर्दिष्ट की गई हैं।</p> <p>(1) सभी किम्म के फैब्रिकस</p> <p>(2) इलास्टिक वेदिंग, और</p> <p>(3) सिथेटिक वेस्ट के आयात की सुविधा हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस के अन्तर्गत अनुमत नहीं है।</p> <p>(4) इस नीति के परिशिष्ट 13-ग में यथानिर्दिष्ट निर्यात किये गये इंजीनियरी, चर्म और वस्त्र उत्पाद के लिए संगत निवेश/उत्पाद मानदण्ड पर आधारित मात्रा सहित निवेश के आयात को शामिल करने के लिए पर्याप्त मूल्य के हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस जारी किये जाएंगे। इस प्रयोजन के लिए आवेदक इस नीति के परिशिष्ट 13-ग की संगत क्रम सं. का उल्लेख करेगा। लागत, बीमा, भाड़ा मूल्य की शर्तों के अनुसार हस्तांतरणीय अग्रिमों लाइसेंसों की अधिकतम आयात सीमा 75% तक सीमित होगी। तथापि, इस नीति के परिशिष्ट 13-ग में उल्लिखित उत्पादों के सम्बन्ध में संगत मूल्य वर्धन मानदण्ड ही लागू होंगे। उन मामलों में जहां निर्यात से आय की बसूली मुक्त विदेशी मुद्रा</p>

1	2	3	4
---	---	---	---

के अलावा होगी, वहाँ हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस का मूल्य 30% आयात सीमा तक सीमित होगा। हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस में परिशिष्ट 13-ग में उल्लिखित निर्यात किये गये उत्पादों से संगत मानदण्ड के अनुसार आयात की मर्चे और मात्रा निर्दिष्ट होगी। अलग-अलग मर्चों के सम्बन्ध में, जहाँ परिशिष्ट 13-ग के मानदण्ड मूल्य के अनुसार है वहाँ अलग-अलग मूल्य प्रतिबंधों का उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(5) हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस की सुविधा केवल 15 जनवरी, 1992 से किये गये निर्यात जिसके लिये निर्यातक ने निम्नलिखित दावों का लाभ नहीं उठाया है, उपलब्ध होगी :—

- (1) अग्रिम लाइसेंस योजना के अन्तर्गत शुल्क से छूट ;
- (2) शुल्क वापसी ;
- (3) मोड्रावट
- (4) प्रोफार्मा क्रेडिट ; और
- (5) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के नियम 191 क और 1991 ख के अन्तर्गत लाभ।

इसके अतिरिक्त हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस की सुविधा केवल ऐसे निर्यातों के भण्डे उपलब्ध होगी जो बम्बई, कलकत्ता, कोचीन, कान्डला, मंगलौर, मारमगोवा, मद्रास, नावामेवा, पागडीप, तूतीकोरिन और विशाखापटनम स्थित समुद्री पत्तनों से या अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, जयपुर, वाराणसी, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम, हैदराबाद तथा मद्रास स्थित किन्हीं विमानपत्तनों के माध्यम से या बंगलौर, कोयम्बटूर, दिल्ली, न्यू गोहाटी माल गोदाम, मुराबाबाद, लुधियाना तथा हैदराबाद स्थित किन्हीं आन्तरिक कन्टेनर डिपो के माध्यम से किए गए हों।

(6) हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंस के लिए आवेदन करने की क्रियाविधि प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) 1990-93 के अध्याय 19 के पैरा 368-ख में दी हुई है।

3. यथासंशोधन प्रक्रिया पुस्तक, 1990-93 तथा वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना स. 2-आई टी सी (पी एन) 90-93, दिनांक 30 मार्च, 1990 की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

4. प्रक्रिया पुस्तक में निम्नलिखित संशोधन नीचे निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे :—

1	2	3	4
1.	80	अध्याय-19 शुल्क मुक्त योजना पैरा 368-क	इस पैरा के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— “हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंसों 368-ख (1) आयात नीति के पैरा 270-क द्वारा यथासमा- विष्ट हस्तांतरणीय अग्रिम लाइसेंसों की मंजूरी के लिए आवेदन पत्र परिशिष्ट 19-अ में दिए गए प्रपत्र में, उस पुस्तक के परिशिष्ट 2-ख में दिए हुए क्षेत्राधिकार के अनुसार संप्रचित

1

2

3

4

4

लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को जो उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रैंक से कम के न हों, दिए जाने चाहिए। आवेदन पत्र के सबसे ऊपर "हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र" शब्दों का उल्लेख होना चाहिए। आवेदन पत्रों के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :-

- (1) पोतलदान बिल अथवा निर्यात बिलों की ई पी प्रति, जिसमें निर्यात स्वीकृत करने वाले सीमाशुल्क कार्यालय के अधिकारी का हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस की मंजूरी के लिए विशेष रूप से पृष्ठांकन हों।
- (2) निर्धारित प्रपत्र में निर्यात और अधिप्राप्ति का बैंक प्रमाण-पत्र, और
- (3) आवेदन शुल्क के लिए उपयुक्त धनराशि की बैंक रसीद डिमाण्ड ड्राफ्ट।

2. अभिलेखों की जांच करने के उपरान्त संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी ऐसे मूल्य का हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस, आयात नीति (खण्ड-1), 1990-93 के पैरा 270 (4) के उपबन्धों को ध्यान में रखकर जारी करेंगे। ऐसे मामलों में डी ई ई सी बुक की आवश्यकता नहीं होगी।

3. संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस पर निम्नलिखित पृष्ठांकन भी करेंगे :-

"यह हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस ————— के निर्यात के मद्दे जारी किया गया है ————— (निर्यात किए गए उत्पाद/उत्पादों का ध्वारा, मात्रा, जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य तथा आयात नीति के परिशिष्ट 13-ग की संबंधित श्रम संख्या का उल्लेख करें) निर्यातों के पोतलदान बिलों/निर्यात बिलों की ई पी प्रति से यह जांच कर ली गई है कि उन पर हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस की मंजूरी के लिए सीमा शुल्क कार्यालय के अधिकारी का पृष्ठांकन उल्लिखित है। इसके अनुरिक्त इस हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस की मंजूरी का तथ्य निर्यात अभिलेख/पोत लदान बिलों/निर्यात बिलों जिनके मद्दे यह लाइसेंस जारी किया गया है, में पृष्ठांकित किया जा चुका है।"

4. हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस जारी करते समय संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी निर्यात अभिलेख/अभिलेखों पर, जिसके मद्दे संबंधित लाइसेंस जारी किया गया है, ऐसे लाइसेंस की मंजूरी के तथ्य को पृष्ठांकित करेंगे।

5. लाइसेंस जारी हो जाने पर के बाद हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस पर लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में वृद्धि के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

5. उपर्युक्त संशोधन लोकहित में जारी किए गए हैं।

डी.आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL
PUBLIC NOTICE NO. 265-ITC(PN)/90—93

New Delhi, the 15th January, 1992

Subject:—Import and Export Policy for April 1990—March 1993.

F. No. 1/3/REP/85-EPC. —Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1990—March 1993, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/90—93 dated the 30th March, 1990, as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below:—

Sl. No.	Page No. of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I)	Reference	Amendment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	72	Chapter XIX—duty exemption scheme para 229(2)	In the first sentence of this sub-para, the words & figures “Sub-para (3) below” shall be substituted by “Para 270-A of the Import Policy”.
2.	72	Chapter XIX—Duty exemption scheme para 229 (3)	This sub-para shall be deleted.
3.	79	Chapter XIX—Duty exemption scheme para 270	<p>After this para, the following shall be added:—</p> <p>“TRANSFERABLE ADVANCE LICENCE 270-A(1) Transferable Advance Licence may be granted to provide duty free import of inputs on the exports of specified products, in accordance with the customs notification.</p> <p>(2) The Transferable Advance Licence will be issued on post export basis and after realisation of the export proceeds against physical exports. The Transferable Advance Licence shall be without actual user condition and would be freely transferable. Such licences will be issued superscribing the words “Transferable Advance Licence issued in terms of Para 270-A of the Import Policy 1990—93”.</p> <p>(3) The facility of Transferable Advance Licence is available only on exports of Engineering, Leather and Textile products listed in Appendix 13-C of the Import Policy. The items of import with input/output ratio, based on which the facility of Transferable Advance Licence is available, are those indicated against the abovementioned products appearing only in Appendix 13-C. The facility of import of (i) Fabrics all sorts; (ii) Elastic Webbing; and (iii) Synthetic Waste will not be allowed under Transferable Advance Licences.</p>

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>(4) The Transferable Advance Licence may be issued for a value adequate to cover imports of inputs with quantities based on the input/output norms relevant to the Engineering, Leather and Textile product exported as specified in Appendix 13-C of this policy. For this purpose, applicant will indicate the relevant Sl. No. of Appendix 13-C of this policy. In terms of cif value the maximum import intensity of Transferable Advance Licence will be limited to 75%. However, in respect of products appearing in Appendix 13-D of this policy the relevant value addition norms only would be applicable. In cases, where realisation of export proceeds is other than in free foreign exchange, the value of Transferable Advance Licence would be restricted to 30% import intensity. The Transferable Advance Licence will indicate the items of import with quantities in accordance with the norms relevant to the products exported and mentioned in Appendix 13-C. There will be no necessity to indicate individual value restrictions against the individual items except where the norms in Appendix 13-C are in terms of value.</p> <p>(5) The facility of Transferable Advance Licence will be available only on exports made from 15th January, 1992, against which the exporter has not claimed the following benefits:—</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) Duty exemption under Advance Licensing Scheme; (ii) Duty Drawback; (iii) MODVAT; (iv) Proforma credit; and (v) Benefit under Rules 191A and 191B of Central Excise. <p>Further, the facility of Transferable Advance Licence will be available only against such exports which have been made from sea ports at Bombay, Calcutta, Cochin, Kandla, Mangalore, Marmugoa, Madras, Navasheva, Paradeep, Tuticorin and Vishakhapatnam or through any of the airports at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Delhi, Jaipur, Varanasi, Srinagar, Trivandrum, Hyderabad and Madras or through any of the Internal Container Depots at Bangalore, Coimbatore, Delhi, New Gauhati Goods Shed, Moradabad, Ludhiana and Hyderabad.</p> <p>(6) The procedure for filing application for transferable advance licence is given in Para 368-B of Chapter XIX of Hand Book of Procedures, (Volume-I), 1990—93".</p>

3. Attention is also invited to the Hand Book of Procedures 1990-93 and to the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC (PN)/90—93 dated 30th March, 1990 as amended.

4. The following amendments shall be made in the Hand Book of Procedures at appropriate places indicated below:—

(1)	(2)	(3)	(4)
1. 80	Chapter XIX duty exemption scheme para 368-A	After this para the following shall be added:—	<p>“TRANSFERABLE ADVANCE LICENCE 368-B(1) Applications for grant of Transferable Advance Licences as covered by para 270-A of Import Policy should be made to the concerned Licensing Authorities, not below the rank of Deputy Chief Controller of Imports & Exports, as per jurisdiction given in Appendix II-B of this Book, in the format given Appendix XIX-N. At the top of the application the words “APPLICATION FOR TRANSFERABLE ADVANCE LICENCE” should be mentioned. The application should be accompanied with the following documents:—</p> <p>(i) E.P. Copy of the Shipping Bill or Bills of Exports with a specific endorsement of an Officer of Custom admitting the exports for the grant of Transferable Advance Licence</p> <p>(ii) Bank Certificate of exports and realisation in the prescribed form: and</p> <p>(iii) Bank receipt/Demand Draft for appropriate amount towards application fee.</p> <p>(2) After verification of the documents the concerned licensing authority will issue a Transferable Advance Licence for the value taking into account the provision of Para 270A (4) of the Import Policy (Volume-I), 1990—93. DEEC Book in such cases will not be required.</p> <p>(3) The concerned licensing authority shall also make the following endorsement on the Transferable Advance Licence:—</p> <p>“This Transferable Advance Licence has been issued against the export of _____</p> <p>(indicate complete description, quantity, FOB value of product) products exported and relevant Sl. Nos. of Appendix 13-C of the Import Policy). It has been verified from the E.P. Copy of the Shipping Bills/Bills of Exports that the same bear an endorsement of an Officer of custom admitting the same for the grant of a Transferable Advance Licence. Further, the fact of grant of this Transferable Advance Licence has been endorsed on the export document/documents including the Shipping Bills/Bills of Exports against which this licence has been issued”.</p>

(1)	(2)	(3)	(4)
			(4) The concerned licensing authority, while issuing the Transferable Advance Licence, shall endorse the fact of grant of such licence on the export document/documents against which the licence in question has been issued.
			(5) No request for enhancement in the CIF value on Transferable Advance Licence shall be entertained once the licence has been issued."

5. The above amendments are made in public interest.

D.R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports